ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-१३
दिनांक- मंगलवार, १५ फरवरी, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 24.0 एवं 8.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 54 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 12.0 एवं दोपहर में 28.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(16–20 फरवरी, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 16–20 फरवरी, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल आ सकते है हालांकि मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 23 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का सम्भावना है जबकि पूर्वानुमानित अवधि में न्यूनतम तापमान में २–३ डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी हो सकती है जिसके चलते यह तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस आ सकते है।
- पूर्वानुमानित अवधि में सतही हवा की रफ्तार थोड़ा ज्यादा रह सकता है। औसतन 10 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम को देखते हुए किसान भाई आलू की तैयार फसल की खुदाई करें। खुदाई के १५ दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दे। बीज वाली आलू की फसल की उपरी लती काट दें।
- समय से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो गाभा की अवस्था में आ गयी हो उसमें ३० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- पिछात बोयी गयी सरसों की फसल में लाही कीड़ों के प्रकोप का अनुकुल समय चल रहा है। इससे बचाव के लिए डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- भिंडी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। बुआई के समय उन्नत किस्में जैसे परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार, के०एस०-३१२, ओकरा-०४, पंजाब-७, पंत भिडी-१, काशी प्रगति तथा संकर किस्में जैसेः भवानी, कृष्णा, काशी भैरव, काशी महिमा आदि उपयुक्त है। बीज दर १५ से १८ किलों प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के समय २०० क्विंटल कम्पोस्ट, १२० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम सल्फर तथा ६० किलग्राम पोटाश व्यवहार करें।
- इस समय लहसुन एवं अगात बोयी गई प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का निगरानी करें। थ्रीप्स कीटों की संख्या अधिक दिखने पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी या इम्डिक्लोप्रिड दवा का १.० मी.ली. प्रति ४ लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। अच्छे परिणाम हेतु चिपकाने वाला पदार्थ जैसे टीपोल १.० मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल में मिलावें।
- रवी मक्का की अगात फसल जिसमें धनबाल एवं मोचा आ गई हो, ४० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु गरमा सब्जियों की बुआई पूर्व खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। इस कीट के पिल्लू रात्री के समय निकलकर इन सब्जियों की छोटे-छोटे उग रहे पौधो पर चढ़कर पत्तियों तथा कोमल शाखाओं को काटकर खाती है एवं जमीन पर गिरा देती हैं जिससे पूरा पौधा ही सूख जाता है।
- गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई के लिए जिन किसान भाईयों की खेत की तैयारी हो चुकी है बुआई शुरु कर सकते हैं तथा जिन किसानों का खेत तैयार नही है वैसे किसान भाई खेतों की तैयारी जल्दी करें। १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान हल्दी एवं ओल की तैयार फसलों की खुदाई प्राथमिकता से करें।
- केला की सुखी एवं रोगग्रस्त पत्तियों को काटकर खेत से बाहर करें। प्रति केला २०० ग्राम युरिया, २०० ग्राम म्युरेट ऑफ पोटाश एवं १०० ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट का प्रयोग करे।
- इस समय आम में मंजर आ रहा है। जो किसान भाई आम में अभी तक कीटनाशक दवा का छिड़काव नहीं किए हैं, वे इमिडाक्लोरप्रिड (१७.८ एस०एल०) दवा १ मिलीलीटर प्रति २ लीटर पानी की दर से और घुलनशील गंधक चूर्ण फुंदनाशक दवा (८० डब्लू०पी०) २ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। इससे आम के पेड़ में मधुआ कीट एवं चूर्णित आसिता (पाउडरी मिलडीउ) रोग की उग्रता में कमी आती है।
- इस मौसम में सब्जियों वाली फसल में लाही कीट का प्रकोप की संभावना रहती है, यदि कीटों की संख्या अधिक हो तो इम्डिक्लोप्रिड दवा का १.० मी.ली. प्रति ४ लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः २४.१ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.६ डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः ८.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.८ डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी